परिशिष्ट २ धातुरूपाणि

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» धातुरूप, पुरुष-वचन और लकार की पहचान

प्रश्न 1 (आसान). 'पठसि' में धातु और पुरुष क्या है?
उत्तर – धातु: पठ, पुरुष: मध्यम पुरुष

प्रश्न 2 (आसान). 'भवतः' में वचन क्या है?
उत्तर – द्विवचन

प्रश्न 3 (मध्यम). 'अहं लिखामि' में 'लिखामि' कौन-से लकार, पुरुष और वचन का रूप है?
उत्तर – लट् लकार, उत्तम पुरुष, एकवचन

प्रश्न 4 (कठिन). 'ते अपठन्' में 'अपठन्' में धातु, लकार, पुरुष और वचन की पहचान करें।
उत्तर – धातु: पठ, लकार: लङ् लकार, पुरुष: प्रथम पुरुष, वचन: बहुवचन

» लट् लकार (वर्तमान काल) में रूप-निर्माण

प्रश्न 5 (आसान). लिख् धातु का लट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन का रूप क्या है?
उत्तर – लिखति

प्रश्न 6 (आसान). गम् धातु का लट् लकार, मध्यम पुरुष, बहुवचन का रूप क्या है?
उत्तर – गच्छथ

प्रश्न 7 (मध्यम). पच् धातु का लट् लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन का रूप क्या है?
उत्तर – पचामः

प्रश्न 8 (कठिन). अगर वाक्य है 'तुम सब लिखते हो', तो 'लिख्' धातु का कौन सा रूप लगेगा?
उत्तर – लिखथ

» लङ् लकार (भूतकाल) में रूप-निर्माण

प्रश्न 9 (आसान). 'पठ्' धातु का प्रथम पुरुष द्विवचन लङ् लकार रूप क्या होगा?
उत्तर – अपठताम्

प्रश्न 10 (आसान). 'भू' धातु का उत्तम पुरुष एकवचन लङ् लकार रूप क्या होगा?
उत्तर – अभवम्

प्रश्न 11 (मध्यम). 'गम्' धातु का मध्यम पुरुष बहुवचन लङ् लकार रूप क्या होगा?
उत्तर – अगच्छत

» लृट् लकार (भविष्यत् काल) में रूप-निर्माण

प्रश्न 12 (आसान). धाव् (दौड़ना) धातु का लृट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन में रूप क्या होगा?
उत्तर – धाविष्यति

प्रश्न 13 (आसान). पठिष्यथ: किस धातु और लकार का रूप है?
उत्तर – पठ् धातु, लृट् लकार

प्रश्न 14 (मध्यम). कृ (करना) धातु का लृट् लकार, उत्तम पुरुष, द्विवचन का रूप क्या है?
उत्तर – करिष्यावः

प्रश्न 15 (कठिन). नम् (नमस्कार करना) धातु का लृट् लकार, मध्यम पुरुष, बहुवचन का रूप लिखिए।
उत्तर – नंस्यथ

» लोट् लकार (आज्ञा/प्रार्थना) में रूप-निर्माण

प्रश्न 16 (आसान). “तू पढ़” (आज्ञा) संस्कृत में लिखो।
उत्तर – पठ

प्रश्न 17 (आसान). “वह पढ़े” (आज्ञा/प्रार्थना) संस्कृत में लिखो।
उत्तर – पठतु

प्रश्न 18 (आसान). “तुम सब पढ़ो” संस्कृत में लिखो।
उत्तर – पठत

प्रश्न 19 (मध्यम). “हम दोनों पढ़ें” (प्रार्थना) संस्कृत में लिखो।
उत्तर – पठाव

प्रश्न 20 (मध्यम). गम् (जाना) में “तू जा” (आज्ञा) का लोट् रूप लिखो।
उत्तर – गच्छ

प्रश्न 21 (कठिन). “हम सब पढ़ें” (आदेश/प्रार्थना) संस्कृत में लिखो।
उत्तर – पठाम

» विधिलिङ् (चाहिए के प्रयोग में) में रूप-निर्माण

प्रश्न 22 (आसान). “मुझे आज पढ़ना चाहिए।” (मैं = उत्तम पुरुष, एक = एकवचन) बताओ पठ् का रूप।
उत्तर – पठेयम्

प्रश्न 23 (आसान). “तुम दोनों को पानी पीना चाहिए।” (तुम = मध्यम पुरुष, दोनों = द्विवचन) पा का रूप।
उत्तर – पिबेताम्

प्रश्न 24 (मध्यम). “हमें सबको शुद्ध बोलना चाहिए।” (हम = उत्तम पुरुष, सब = बहुवचन) भाष्/बोलना नहीं दिया–यहाँ पठ् से वाक्य बनाओ: “हमें सबको पढ़ना चाहिए।”
उत्तर – पठेम

प्रश्न 25 (कठिन). वाक्य बनाओ: “उनको (वह लोग) समय पर परीक्षा देना चाहिए।” यहाँ ‘वह लोग’ = प्रथम पुरुष बहुवचन, धातु पठ् नहीं–तो दृश् मान लो: “उन्हें समय पर देखना चाहिए।” (तालिका से सही रूप लिखो)
उत्तर – पश्यन्तु नहीं; विधिलिङ् प्रथम पुरुष बहुवचन (पश्) = पश्येयुः

» तनादिगण व उस पर धातुरूप अभ्यास

प्रश्न 26 (आसान). लट् में “वह तानता/फैलाता है” (प्रथम पुरुष एकवचन) तनु का रूप लिखो।
उत्तर – तनोति

प्रश्न 27 (आसान). लङ् में “तुम लोग तानते/फैलाते थे” (मध्यम पुरुष बहुवचन) तनु का रूप लिखो।
उत्तर – अतनुत

प्रश्न 28 (मध्यम). लृट् में “मैं तानूँगा/फैलाऊँगा” (उत्तम पुरुष एकवचन) तनु का रूप लिखो।

उत्तर – तनिष्यामि

प्रश्न 29 (कठिन). लोट् (आज्ञा/प्रार्थना) में “तुम तानो” (मध्यम पुरुष एकवचन) तनु का रूप लिखो।

उत्तर – तनु

» ययादगिण, चुरादगिण, स्वादगिण: गण-आधारित रूप पहचान

प्रश्न 30 (आसान). धातु: “चुर् (चुराना)”, लट्, प्रथम पुरुष, एकवचन – रूप?

उत्तर – चोरयति

प्रश्न 31 (आसान). धातु: “सु (रस निकालना)”, लट्, मध्यम पुरुष, एकवचन – रूप?

उत्तर – सुनोषि

प्रश्न 32 (मध्यम). धातु: “चुर् (चुराना)”, लङ्, मध्यम पुरुष, द्विवचन – रूप?

उत्तर – अचोरयतम्

प्रश्न 33 (कठिन). धातु: “सु (रस निकालना)”, विधिलिङ्, उत्तम पुरुष, बहुवचन – रूप?

उत्तर – सुनुयाम

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. नीचे दिए गए 'गच्छामि' धातुरूप में धातु, पुरुष, वचन और लकार की पहचान करें।

› सबसे पहले, शब्द का मूल रूप देखें। 'गच्छामि' का मूल रूप 'गम्' (जाना) है, तो धातु 'गम्' हुई।

› अब, 'आमि' प्रत्यय को देखें। यह 'अहं गच्छामि' (मैं जाता हूँ) में आता है। 'मैं' यानी 'उत्तम पुरुष' होता है।

› 'आमि' प्रत्यय से ही पता चलता है कि यह 'एकवचन' है, क्योंकि अगर दो होते तो 'गच्छावः' होता और बहुत सारे होते तो 'गच्छामः' होता।

› क्रिया 'जाता हूँ' वर्तमान काल की है, इसलिए लकार 'लट् लकार' होगा।

उत्तर – धातु: गम्, पुरुष: उत्तम पुरुष, वचन: एकवचन, लकार: लट् लकार।

उदाहरण 2. भू धातु (होना) का लट् लकार, उत्तम पुरुष, द्विवचन का रूप क्या होगा?

› सबसे पहले, धातु है 'भू', जिसका रूप 'भव' से चलता है।

› दूसरा, लकार है 'लट् लकार' (वर्तमान काल)।

› तीसरा, पुरुष है 'उत्तम पुरुष' और वचन है 'द्विवचन'।

› अब, लट् लकार के उत्तम पुरुष द्विवचन का प्रत्यय 'आवः' होता है।

› इसलिए, 'भव' के साथ 'आवः' जोड़ने पर 'भवावः' बनेगा।

उत्तर – भवावः

उदाहरण 3. 'कृ' धातु (करना) का प्रथम पुरुष एकवचन लङ् लकार का रूप बनाओ।

› पहले धातु 'कृ' को भूतकाल में बदलने के लिए इसके आगे 'अ' लगाएंगे, तो यह 'अकृ' जैसा लगेगा।

› अब प्रथम पुरुष एकवचन का प्रत्यय 'त्' जोड़ेंगे (लट् लकार के 'ति' की तरह ही, पर यहाँ हलंत वाला 'त्' आता है)।

› दोनों को जोड़ने पर 'अकरोत्' बनता है।

उत्तर – अकरोत्

उदाहरण 4. गम् (जाना) धातु का लृट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन का रूप बनाइए।

› सबसे पहले हमें धातु 'गम्' लेनी है।
› अब हमें इसमें भविष्यत् काल की पहचान 'ष्य' जोड़ना है।
› क्योंकि यह प्रथम पुरुष, एकवचन है, तो प्रत्यय लगेगा 'ति'।
› तो 'गम्' + 'इष्य' + 'ति' = 'गमिष्यति' बनेगा।

उत्तर – गमिष्यति

उदाहरण 5. "तुम दोनों पढ़ो" (आज्ञा) संस्कृत में लिखो।

› भाव पहचानो: आज्ञा है, इसलिए लोट् लकार चुनेंगे।
› पुरुष-वचन पहचानो: "तुम दोनों" = मध्यम द्विवचन।
› धातु चुनो: "पढ़ना" के लिए पठ् है।
› लोट् में मध्यम द्विवचन का रूप देखो: पठ् + "-तम्" pattern के अनुसार "पठतम्" होता है।

उत्तर – पठतम्

उदाहरण 6. निम्न वाक्य का संस्कृत रूप बनाओ: "दोनों को (तुम लोगों को) प्रतिदिन पुस्तक पढ़नी चाहिए।"

› भाव पहचानो: 'चाहिए' विधिलिङ्
› धातु चुनो: पढ़ना = पठ्
› पुरुष-वचन पहचानो: 'तुम लोगों को' = मध्यम पुरुष, 'दोनों' = द्विवचन
› तालिका में मध्यम पुरुष + द्विवचन (विधिलिङ्) का ending लो: "पठेतम्"

उत्तर – "(तुम) दोनों को प्रतिदिन पुस्तक पढ़नी चाहिए।" "पुस्तकं पठेतम्।"

उदाहरण 7. विधिलिङ् में (चाहिए के प्रयोग में) "वे तानना चाहिए" को तनादिगण (तनु: तानना, फैलाना) के सही धातुरूप से लिखो।

› भाव पहचानो: "चाहिए" है, इसलिए लकार = विधिलिङ्।
› कर्ता पहचानो: "वे" = प्रथम पुरुष, बहुवचन।
› तनादिगण की विधिलिङ् तालिका में प्रथम पुरुष + बहुवचन की entry लो: "तनुययु:"।
› इसी रूप को वाक्य में रख दो: वे तानना चाहिए = तनुययु:।

उत्तर – वे तानना चाहिए = तनुययु:

उदाहरण 8. धातु: "सु (रस निकालना)", लकार: लृट्, पुरुष: उत्तम पुरुष, वचन: एकवचन – रूप लिखिए।

› धातु "सु" है, इसलिए यह स्वादिगण की धातु है।
› लकार लृट् (भविष्यत् काल) चुनो।
› तालिका में स्वादिगण के लृट् row में उत्तम पुरुष, एकवचन की entry देखो।
› उस entry को शब्द-रूप में लिखो।

उत्तर – सोष्यति

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• धातुरूपों की तालिकाएँ, विशेषकर 'लट्' और 'लङ्' लकार की, बहुत अच्छे से याद कर लें। अक्सर सीधे-सीधे प्रश्न आते हैं कि इस शब्द का लकार, पुरुष और वचन क्या है।

• लट् लकार के रूप अक्सर वाक्य बनाने या अनुवाद करने के प्रश्नों में सीधे पूछे जाते हैं, इसलिए इसे बहुत अच्छे से तैयार करना, यह बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है!

• लङ् लकार के रूपों में 'अ' का प्रयोग और अंत के प्रत्ययों को सही से याद करना बहुत ज़रूरी है, क्योंकि परीक्षा में 'अ' की गलती या गलत प्रत्यय लगाने पर नंबर कट जाते हैं।

• लृट् लकार के रूप बोर्ड परीक्षा में अक्सर पहचानने या बनाने के लिए आते हैं, खासकर 'कृ', 'गम्' और 'हस्' जैसी सामान्य धातुओं के!

• प्रश्न में 'तू/तुम/हम', 'दो/सब' देखें–पहले पुरुष-वचन पकड़ो, फिर लोट् ending लगाओ।

• NCERT में 'चाहिए' के साथ सीधे वधिलिङ् का heading देखो–फरि तालकिा से ending लखिो।

• धातुरूप में गलती से बचने के लिए पहले "चाहिए" से लकार (विधिलिङ्) तय करो, फिर तालिका में पुरुष-वचन।

• बोर्ड में गण-आधारित pattern पहचान के प्रश्न जल्दी बनते हैं–धातु देखकर base पहले तय करो।

एक नज़र में रिवीज़न

› धातुरूप = धातु + पुरुष + वचन + लकार; ये क्रिया का अर्थ स्पष्ट करते हैं।

› लट् लकार (वर्तमान काल) में धातु + ति/तः/अन्ति, सि/थः/थ, मि/वः/मः

› लङ् लकार = भूतकाल, क्रिया से पहले 'अ' जोड़ें।

› लृट् लकार = भविष्यत् काल, पहचान: ष्य/ष्य, जैसे पठिष्यति (पढ़ेगा)

› लोट् = आज्ञा/प्रार्थना; पुरुष-वचन अनुसार ending

› 'चाहिए' विधिलिङ्; पुरुष-वचन के अनुसार endings

› - गण लकार पुरुष-वचन: इसी क्रम में लिखो।

› - पहले गण: चोरय- / सुन-/सोष्य- फिर लकार-row